

**THE INSTITUTE FOR
ADVANCED STUDIES
OF WORLD RELIGIONS**

FILM—STRIP NO.
MBB—1971—54—23

**BUDDHIST SANSKRIT
MANUSCRIPTS**

MBB-1972-54
1. Film strip number

14
2. Source

NĀGASAMĀDHI
3. Title

4. Additional title, shortened forms of title etc.

N. S. 858 + 880 = A.D. 1738
5. Year in which MS was copied
(Nepali Samvat and Christian Era)

MAHĀMUNIDEVĀ
6. Name of scribe

NEPĀLĪ PAPER
7. Material (palm leaf, etc.)

NEWĀRĪ
8. Script

30 cm x 8 cm
9. Size

7
10. Lines to a page

8 13
11. Number of leaves in complete work

x
12. Missing leaves

13. Author and Date of composition
(if given)

x
14. Number of Chapters

15. Remarks This is concerning the Nāga which
is the symbol of water.

Nov. 2, 1972
Date photographed

३५०

१ॐ नमः श्रीवज्रसत्वाय ॥ ॐ नमः सर्ववृद्धवाधिसत्त्वस्था ॥ नत्वादको श्रीवज्र
 वज्रसत्त्वसत्त्वयको नायममातिनामागे ॥ नागकुत्राजस्य मधुलस्य वक्रास्य
 ॥ यथर्मगुप्तमधुलंकृत्वा पद्मनागायिसमाको नयन ॥ ॥ समन्वाहर्नकु
 मां वृद्धाजसत्त्वादि ॥ नृसत्त्विका ॥ ३ ॥ नमावेनावनस्य लनवन
 ननागनागाय ॥ ३ ॥ नन्दवनना नत्वा सर्वनागसमन्वित ॥ सका
 कितहृत्तासंयुवनमजयकम् ॥ सर्वसत्त्वजलनिधाय वनृष्टम
 काहं ॥ ॐ स्वरावधुष्टा ॥ सर्ववेम्मी ॥ स्वरावधुष्टा ॥ इहं गुप्तागच्छानवज
 स्वरावात्मको इह ॥ दक्षिणहस्तजकाग्रवन्द्यमधुली ॥ वामहस्तस्य चम

लेकोपग

ॐ लं ॥ ॐ व न य न ह स्ता हं ॥ ॐ वं जं जि रं दं ॥ ॐ ॥ ॐ वं सा हा ॥ व ज ॥ ए व ॥ ॐ नूं सा हा ॥ घ ष्ट ॥ ए व ॥ ॐ नं धं सा हा ॥ प ष्य ॥
लं मां यां नां जं अ ॥ ॐ नां ग म ह क ल ने २ म जी व हं
ह ट सा हा ॥ ॐ हं ॥ मि न मि ॥ ॐ हं ॥ उ मि य ॥ ॐ हं
क हं द य ॥ ॐ हं ॥ व क द य ॥ ॐ ॐ हं ॥ ना मा न य य ॥
ॐ हं ॥ मू य ॥ ॐ हं ॥ क हं ॥ ॐ हं ॥ द द य ॥ ॐ हं ॥ ना
मा ॥ ॐ हं ॥ य क ॥ ॐ हं ॥ द य ॥ ॐ हं ॥ मि य ॥ ॐ हं ॥ अ न
मा ॥ ॐ अ ॥ ॐ हं ॥ वि का य धि वा न ॥

ॐ नमो स्वाहा ॥ गन्ध ॥

ॐ गं स्वाहा ॥ धूप ॥

ॐ नमो स्वाहा ॥ दीप ॥

ॐ ज्ञां स्वाहा ॥ माता ॥ स्वतः ॥ ॐ वज्रहमं स्वाहा
वर्हणं पुनर्वलि ॥ ॥ ॥

मनुलाधिमनंक्याग ॥

न मादिग वधनं कावयन ॥ उँ स म् निसुम् हँ २ दट ॥ उँ गृह २ हँ २ दट ॥ उँ गृह्णाय य २ हँ २ दट ॥ उँ आ न य दार
 ग व न विद्या ना ज हँ २ दट ॥ म टि गो ख द व ना का ध नू य द ख द दि वि को सि त क म ला त्य वि सं सूर्य क ह हँ का न नि म्भ
 न ॥ द ग दि ग व धा का व नो न ॥ उँ म द नि व जि न व ॥ त क ॥
 ध व म नू अ ज सू ना दि न य न्य र्थे ना न य ग्ध न दि द ॥ स र्वा पु द व म
 न शि उ ला ख द द्वा ज ख न वं का व य नि य म ला ह्री व द्वा
 न ल य र्थे न ग्मि ना क ष ॥ आ क र्षे द ॥ य ना ग र व न ना ग ग द द ॥ अ ग्री व नू ध ना ग ना गा स य नि वा ना द द्वा क र्षे य न ॥ ॥
 व ज व ध हँ ॥ उँ स र्व वि द्या द्वा ग न मू दि ता मा ल पु द वा वे उ
 कि र्क ला व यि ला ॥ मे गी क नू ध म् दि गा य का र्च स ल स म
 न स ल द द ग दि ग न क ला क धा द्वा स्मि न स र्व द व न न द्वा

ॐ वडा कृम ४॥

ॐ वजयाम् ॥

ॐ वजस्तु ॥

ॐ वजावम ४॥

ॐ श्रीवपुनागना
नायसुविवानाय
पुवस्तुनाययाद्य
पतिस्तु ॥

ॐ मँ म विनि क नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥ द ॥ ॐ मँ म शिपु ह नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥
द ॥ ॐ हँ ॥ हँ तु नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥ द ॥ ॐ वँ व र्ध नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥
वा ॥ या मा स व र्ध य द व ४ यू र्ध्व कँ द व स्य रि प्रार्य य य क मा गु च्छ का या हा नार्थ मिति ॥ त ना ना गा त म क यू र्ध्व ० ॥ ॐ हँ हँ
हँ नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥ ॥ य वि स द्वा ना ग य लि का या म ध्वा ॥ ॐ गँ ग क्ष नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती
क स्वाहा ॥ ॐ सिँ सिँ न्ध नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥ ॐ जँ जँ म न नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥ द ॥ ॐ वँ वँ
व य ह नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥ वा ॥ ॐ गी गी न नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥ वा ॥ ॐ रु रु नाग
य लि का या म ध्वा ॥ ॐ जँ जँ नी ल नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती क स्वाहा ॥ ड ॥ ॐ जँ जँ न रु नाग नागा य व ज यू र्ध्व प्रती

कु स्वाहा ॥ ८ ॥ ॐ नूनवत क नाग नागा यव ज यूष्य युगी कु स्वाहा ॥ ८ ॥ ॐ वजा ग्य हूँ ॥

ॐ वज मा ह्य री ॥

ॐ गंग त मा र्ध नाग नागा यव ज यूष्य युगी कु स्वाहा ॥ ९ ॥ ॐ सं स द सु त्रि क

नाग नागा यव ज यूष्य युगी कु स्वाहा ॥ १० ॥ ॐ अग्ना दि सि य द्र द ल ॥ ॐ नून

नून नाग नागा यव ज यूष्य युगी कु स्वाहा ॥ ११ ॥ ॐ नून द न नाग ना

गा यव ज यूष्य युगी कु स्वाहा ॥ १२ ॥ ॐ सं स म् द नाग नागा यव ज यूष्य

युगी कु स्वाहा ॥ १३ ॥ ॐ वै वै र्ध नाग नागा यव ज यूष्य युगी कु स्वाहा

॥ १४ ॥ य वै र्ध नाग नागा यव ज यूष्य युगी कु स्वाहा ॥ १५ ॥ ॐ नून

ॐ व व व स क्का य श्री वि नू य ना ॐ व व व स क्का ना य श्री व ॐ व ज व नू य ना ग ना ना य ॐ ४ हँ वँ दा ४ ॥
 ग ना ना य स व वि वा ना य नू य ना ग ना ना य स व वि व न स क्का य श्री क म नू य
 अर्थ प्रति कृ स्वा दा ॥ ॥ वा ना य म म नू य प्रति कृ स् ति कृ स्वा दा ॥ ॥ स य वि वा ना य ॥

ॐ ४ वँ ना व ना कृ व व
 ॐ व नू य ना ग ना ना य व
 ॐ यू र्थ प्रति कृ स्वा दा ॥
 म ॥ ॐ ४ वँ वा ना ह
 व व नू य ना ग ना ना य व
 ॐ यू र्थ प्रति कृ स्वा दा ॥
 ॐ ४ व ज व नू य ना ग
 ना ना य व ॐ यू र्थ प्रति
 कृ स्वा दा ॥ ५ ॥ ॐ वां
 वा ना ना ग ना ना य व

जयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ य ॥ डै नै नरु क नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ द ॥ डै कैं क काट क नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ य ॥ डै यै य द्य नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ उ ॥ डै हू लू र्यो नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ झ ॥ डै मँ म हा य द्य नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ ने ॥ डै कैं मि क नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ वा ॥ डै गँ गँ ख घा ल नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ ०० ॥ न द्वा क य द्य द ल चा न य लि का या म द्य यूर्वो ॥ डै गँ गँ र्ज न नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ म ॥ डै वँ व रु प र नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ द ॥ डै वँ व रु क ण नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ द ॥ डै सँ सूर्य य र नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ वा ॥ डै गँ ग न वा रू नाग नाजाय वजयूर्ययुनिच्छस्वादा॥ वा ॥ द क्रि ष द्वा ना ग य द्य म द्य य लि का या ॥ ॥

ग्याना ॥ अथ विविदिदय ॥ गीखस इन्द्रा रुतस्वानया धन सूवरुदरु दान गम्ययुक्ती दूति याय ॥ जलाहिके क ॥
यं लो धं मुता ॥ गता रुत रुमायने जा गिर्वी दे विगर्जन ॥ गगुष्मादिकं दत्वा स्वयं सेव गृहित्वा ॥ कले गतिथ क
गु न्निर्या न न दकि टी क्षक यित्वा ॥ यत्र मजा गिदा द दत्वा ॥ असा दूति मनु ला गि स हानय न ॥ स्व रू लो नानू क्रम
न यनि वा न नाग कृ तु वलिं टी क य न ॥ मल कृ शु शु स्व सा ध क स्का न समय य न ॥ जला गि जल दु रु सा ध न जल स्का
न यु क्रिया ददि वं मल समय य न ॥ विमर्जन तिक मा निया क र य न य न समय व क ग द व क र क न य न ॥ यनि नामे ना
कृ तिक म हा व लि वि भ न न धू मां गालि सं य त्रि न न पु न म्प वि ग र्ज य न ॥ तदा व म न क ला म र व ल म ध न गृ हित्वा दाः
ता नू सं सी य थि ला स्व स्व र व ना म्बि ज हा न ॥ ॥ एत नि सर्व ग्र द वि धनो व रू न जल शी ग न य जा वि धि समा य ॥
लि रिव गे यं श्री न त क दु म हा वि हा ना व लि न व जा रु व श्री व जा वा र्थ म हा म् । दी द व ति ॥ व नु न न म क न शु र म रु ॥

वि१

उत्तमसंघातसंस्कारयथा॥ अथानसंयुक्तं मिजलत रु विजलं॥ सगुनकलनागद्ययदीय कायनामग्रीखं गुनयके
गन्धतज्जलदलयद्वयाय मल्लसंवृद्धायाय वृद्धजनकं दक्षिणाय द्युमिमतक क उदु नेवासुकि ॐ अनेमदा
यद्यज्जगमं रवया न ने जल्यककोटके वायु वृकलिकं लिखन॥ ॥ थकायनाममल्लसंनच्छा विदिवाजीहना भद्रु
याअनतमा ॥ यद्यसंस्वानवा भद्रु वीत निडि ॥ ॥ दक्षिणसेमासयुख्यनाग भद्रु सिन्नना ॥ वद्यिमसको भद्रुम
शिका वीतकं सद्रु ॥ ॥ उदुस्युवा भद्रु डाहा वीज मल ॥ ॥ ॐ अनेमसंस्वानवा वीज मल ॥ ॥ अनेमसंस्वानवा
वीजकं दन भद्रु मल ॥ ॥ ने जल्ययिका भद्रु कं सद्रु ॥ ॥ वायुवासुख्ययहा मल भद्रु वीत नाडाना ॥ ॥ दक्षिण
सेममल ॥ ॥ हिना वतिना स्यं ज्वसू ग्वमयनहा स्यं कायना थयना याया दिगविदिगसंय वाकिदानन ह्यक ॥ मल

[illegible]

धियः सैव सैव तत्संगः सत्यं न मे वाचां जुहो कर्तुं (सत्यादयः) हस्तं स्वद्वियं अमूकं कात्र नार्थं नाय निगच्छतीति य
आगच्छ २३ नुवस्व ३२४ वाक्यं न कानां न संलंघनं य ॥ धनं कयापि विदुः शतं न युक्तं ॥ ॥ गताः ॥ अदिला कयालय
आदि आकर्षणं यत्ता यस्यान्नाग ॥ लंघनीला कया लनास्या मुनि ॥ ॥ निदुःसन्नयति चेव वज्रं हस्तं मसा वल सर्वव
का प्रियदवं ॥ ॥ अयं न न मस्तु ॥ १ ॥ नीलकाय महागर्जं महिषा मनाय सस्किर्न यमदधुधनं धार्यं शोकता
क कं न मा मयि ॥ २ ॥ शुद्धं स्फुटिकं मकां अहं नागं प्रियं यत् कालं मयि कलं धार्यं वनं मयि न मा मयि ॥
३ ॥ अत्र काय महागर्जं कालकाय समयुक्तं अत्र न वदताय कवनाय न मा मयि ॥ ७ ॥ द्वादशमदत्यंतं क
मुनया यधवंती नं वा मकर्म दन्धनो मयि अज्ञो सन्नं न मा मयि ॥ ८ ॥ नाकावर्तं महाकायं सानाहलं हस्तिं त्वर्जं

या उधर्तृव्यात्रंयतामनंतमाभिदं ॥ ५ ॥ यतदसकसुनाहं सहाददमहावलं वं वनवयनादवमगासनंतम
भिदं ॥ ६ ॥ गूत्रपाशिशिनयवशुक्रवर्त्मसहादालं सदाकल्याणविहं विष्णुनाककनमाम्भदं ॥ ७ ॥ उध
वृक्षापीनवल्लीवधुवदयानगकमगुलअकसुर्वदं सात्रदंतमाम्भदं ॥ ८ ॥ नागनाजंतुधवर्तकना
ऊलिकलपूटयकयनिसिंहगंठावनागनमाम्भदं ॥ ९ ॥ यथिविकलमधर्वववमगकुसुमंयनं
सदाककनकवल्लीयकामनंतमाभिदं ॥ १० ॥ गगनालयावधन ॥ गगनालदवतागिरावतापगना
मध्यवन्नमात्रयडौ ॥ गगुलैरुलमध्यागिरावयन ॥ ॥ गताजायमगुलमथ्यवैकात्रनयन्नमालीयगइयवियं
काजीकनंवनूदीनूदीउकसर्वद्विहृडीयुक्रवर्त्मसकहृधांकनवासनतागवागधनंदक्रिष्टनाहंययदी ॥

[illegible]

सिद्धि स्वाहा ॥ न कायका ॥ ॐ सर्वसंयद स्वाहा ॥ अथ न विष्णुः ॥ ॐ वज्रवर्गनरुलाय स्वाहा ॥ रुलादि कालसि ॥ ॐ अग्नीषीत
स्वाहा ॥ रुकि वीज वृथा ह्ययं वसुमति मिश्रित न दानवा ॥ ॐ जा ४ हूं स्वाहा ॥ स्रुव व ॥ सकि ७ न स सादका ॥ सरु व रुवा
॥ यं ला स्रुव ॥ गं वं श्रुवा ॥ श्रुवा नामिकायां । गद्दी श्रु गं वं यं कं इन्द्र इन्द्रा कं पु सदिग न जल रुना रुगि २२ कान
थन ॥ यथ मा रुति । वीक स्वसे वाय ॐ अन रु वायु किर्यादियथा निमित्तं ॥ ॐ रुल ना रुति यनी रु स्वाहा ॥ मूल मरु
रु गे रुव श्रुवा ॥ यं ला यं रुवा ॥ ॥ न ना नल वृक्ष ना व मर्ग कान यन ॥ ला कारु न रुना ग्नि विरुवा ॥ जलाग्ने व
ना रु रुद्दी न कमल व रुना य नि म पु ला विरुति वीरु निरुति विरु वीरु य नि ना मर्ग म पु ला विरुति स म पु ल य नि रुवा ॥
रुान स्रुव श्रुकि न सिव सम न स्रुव न स्रुव कीरुग ॥ ॥ विविथं द व य जा ॥ स्रुवा ग रु वना ॥ स्रु म पु ला विरुति म रु न रुवा

ना के। स्यात्तया क्रय निमिषित दस्यु दग्म वा म वि गि र्व य नि दसु क म पु नू स् ॥ उं वा व का (ग्रय स्वादा ॥ ए ह हि म हा
 रु त द व वि द्दी ज स रु म गृ ही त्वा रु ति म दानृ ता सिं। स त्ति दि ता रु व स्वादा ॥ उं ट किं ज ३ हं ३ ट किं वा ज म यु ॥ अ वा
 ना त्ता न्ते न ॥ य ता। यू य न्मा म ॥ उं ओ ४ व नू द्वा य हं नें हं स्वादा ॥ म ॥ उं अ नें ना य हं नें हं स्वादा ॥ उं य मा य हं नें हं स्वा
 दा ॥ उं न क का य हं नें हं स्वादा ॥ उं वा म् किय हं नें हं स्वादा ॥ उ ॥ उं म दाय वा य हं नें हं स्वादा ॥ ० ॥ उं मं र्व
 या ना य हं नें हं स्वादा ॥ ज ॥ उं क को ट का य हं नें हं स्वादा ॥ ने ॥ उं क लि का य हं नें हं स्वादा ॥ वा ॥ यं ला यं सु
 मि ॥ व नू द्म द या म दाना ज य ४ स्त स्व द व व व स्वि न स त्वा र्थ य स दानि र्थ व नू द्म य न म मु ग ॥ ॥ उं सर्व न थ ग न का य
 वि (म ध न स्वादा ॥ क ल म र्ति य क। मं र्व लं र्व न दा य ॥ उं व ज द र्थ न हं ॥ रु स्त न क न ॥ उं र्व पु ना द व ज व नू ग ना ग्म प्रिय न

रुद्रयोग ॥ पूर्ववत् ॥ ॐ आश्चर्यं नानागभाताय हं स्वाहा ॥ हृदयवता रुद्रि ॥ यं लाघं मुन ॥ यधर्म ॥ बलि ॥ ॥ धनमु
थिरुनसां हितिरुनसां वयिरुनसां युतिश्चायाय ॥ ननुदीयानिसं (मधन) गिसाकायनयनंतथा शतातनामायन
यनानिचूठाकर ॥ धमवय ॥ वृतादगसमावर्तया निग्रदनाग्नि कर्मणी ॥ उर्वदमक्रियाद (मनायिनश्चथा ॥
युतिश्चामखगसादमकर्ममूमात् ॥ थनेजुक्तं तच्छास्त्रेण यूहासूयवक्षसगनवा नावमूलसकृदमाद्रुतिया
य ॥ राशिरुद्रा नचनीव नृधदयमक्रुद्रुतिस्वाहा ॥ जक्रुत् ॥ इदं दुर्विकुपुथतर्गलसथदावनल रुतिविय ॥
यं लाघं मुन ॥ महावलिविय ॥ पूजा ॥ कर्तक ॥ ज्ञाययाठनयूक्ताज्ञानेइय ॥ रुमवसि ॥ व्यात्रा ॥ युयु ॥ रुद्र
डावप्रिातज्ञमायलउरुल चवन ॥ वदुनगुनि ॥ धूनी ॥ सकि दुम्बाव ॥ न ससादकायकेयकवान् ग्वव

ॐ वगी नमो ॥

ॐ वजन नमः ॥

ॐ वज्र पद्म ॥

ॐ वज्र धूम्र ॥

ॐ वज्रावसाकि न
मो ॥

ॐ नमो भगवते ॥

यश्च वादनं मुनिः ॥ वनी गनागवलममुलभाकनूर्यं नलपुलातलयुष्य जलाथ यनी । सत्रा
दागकनयूकनधीवकूयं तुमावतिष्ठितदिववृष्टी नमामिह ॥ ४० ॥ व्याधिथाग ॥ ॥
नगाजायमकु ॥ ॐ आ ४ वै व वृष्टी दृष्ट्याहा ॥ ॥ आयायूर्यला ॥ ॥ गगावलि
रावना ॥ र्यकारं वायूनामद्यवृषय विष्णुवनी । वृंकावधसूर्यस्तसूर्यनभी नायविगुकि
नी । वृंकावधयस्तदयध संयुक्तालिर्ग आकावधसूर्यस्तदिलीरनखगतागुनय विवृष्ट्य
क्षमनववागनय वी नलयादननाग वृष्टी विनयुधं वलिगवयग ॥ ॐ आ ४ दृष्ट्याहा ॥
वृंकावधय ॥ ॐ वैंकावधयममुलतस्या धारुलाकानननक नागमेधकूष्य वलममुलम

[illegible]